हिंदी आधार · **CHAPTER 1**

आत्म-परिचय • एक गीत — दिन जल्दी-जल्दी ढलता है

A 1-page guide for parents · 90-second read.

EXPECTED MARKS	TIME TO MASTER	HELPLINE
4-6 अंक प्रति बोर्ड पेपर — सामान्यतः **1** लघु उत्तर **+ 1** दीर्घ उत्तर अथवा पद्यांश-आधारित प्रश्न।	रोचक **hrs**	**70330 05444**

WHAT THIS CHAPTER IS, IN PLAIN ENGLISH

यह आपके बच्चे की कक्षा 12 हिंदी आधार पाठ्य-पुस्तक का पहला काव्य अध्याय है। इसमें प्रसिद्ध कवि हरिवंश राय बच्चन की दो कविताएँ हैं। पहली में कवि अपना परिचय देता है — कि वह जीवन के दुख-सुख दोनों को एक साथ ढोता है। दूसरी कविता में कवि कहता है कि शाम होते ही पथिक और पक्षी जल्दी-जल्दी घर लौटते हैं क्योंकि कोई उनकी प्रतीक्षा कर रहा है — लेकिन कवि के लिए कोई प्रत्याशी नहीं, और यही उसकी पीड़ा है। बच्चे को यहाँ केवल कविता रटनी नहीं — कवि के भाव को समझना है।

5 QUESTIONS TO ASK YOUR CHILD

- बच्चन की 'आत्म-परिचय' में कौन-कौन से विरोधाभास हैं?
- 'जग-जीवन का भार' क्या है — केवल आर्थिक बोझ या कुछ और?
- 'स्नेह-सुरा' का क्या अर्थ है? क्या कवि वास्तव में शराब पी रहा है?
- 'दिन जल्दी-जल्दी ढलता है' में पथिक और पक्षी जल्दी क्यों लौटते हैं?
- कवि स्वयं की क्या विशेष स्थिति बताता है?

WEAK-SPOT INDICATORS

- यदि बच्चा 'स्नेह-सुरा' का अर्थ शराब बताए तो वह रूपक की पहचान में चूक रहा है — हालावादी सन्दर्भ समझाएँ।
- यदि बच्चा विरोधाभास का एक भी उदाहरण न दे पाए — कविता के मूल भाव से दूर है।
- यदि बच्चा 'दिन जल्दी-जल्दी ढलता है' को केवल सूर्यास्त की कविता कहे — केंद्रीय भाव से दूर है।

WHEN TO WORRY — AND WHAT TO DO

यदि बच्चा कविता की कोई भी एक पंक्ति उद्धृत न कर पाए, तो वह पाठ की तैयारी से बहुत दूर है। 20-30 मिनट का सम्मिलित पठन इसे ठीक कर देता है।